Seminars on the role of youth in popularisation of nationally accepted objectives such a democracy, socialism, secularism, pride in Indianness and development of a scientific temper are also organised.

During the year 1986-87, a sum of Rs. 106.60 lakhs and for the year 1987-88 a sum of Rs. 173.30 lahks were released to voluntary organisations/univer-Mties/state governments for organising the above mentioned programmes.

Payment of low rent by DTC for Scindia House

4108. SHRI PRITHIBI MAJHI : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that D.T.C. authorities are occupying 10,000 sq. ft. area in Scindia House, New Delhi and paying only a sum of Rs. 627.50 as monthly rent since 1950; and

(b) if so, what are the rea.sons for not enhancing the rent after every five years for the above premises as envisaged in the policy guidelines issued by the Directorate of Estate, Nirman Bhavan, New Delhi, to all Government departments/ Ministres in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) Yes, Sir.

(b) The guidelines issued by Directorate of Estates are applicable to the rent of private buildings taken on lease by the Government and not by the Public Sector Undertakings.

राज्यों की राजधानियों को बड़ी लाइन से जोड़ा जाना

4109. डा० अबरार अहमद खान : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन राज्यों की राजधानियों के नाम क्या हैं जो बड़ी लाइन से जुड़ी हुई हैं तथा क्या सरकार उन राजधानियों को शीघ्र ही बड़ी लाइन से जोड़ने के संबंध में किसी योजना पर विचार कर रही है ;

(ख) क्या राजस्थान की राजधानी जयपुर को सवाई माधोपुर में बड़ी लाइन के साथ जोड़ा जा रहा है, यदि हां, तो कब तक और क्या इस संबंध में कोई कार्य पहले ही प्रारंभ किया जा चुका है ; और

(ग) क्या सवाई माधोपुर से चलने वाली छोटी लाइन की गाड़ियों में किसी वातानुकूलित डिब्बे को शीघ्र ही उन यात्रियों के लिये जोड़ा जा रहा है जो बम्बई से वातानुकूलित डिब्बे में आते हैं और जयपुर, बीकानेर, लोहारू, श्री गंगानगर जाना चाहते हैं और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) राज्यों की राजधानियों, जो बड़े आमान की लाइन से नहीं जुड़ी हुई हैं, नीचे दी गयी हैं:—जयपुर, पणजी, श्रीनगर, इंफाल, अगरतला, शिलांग, आइजोल, शिमला, ईटानगर, कोहिमा तथा गंगटोक। जयपुर, पणजी तथा श्रीनगर को बड़े आमान की रेल लाइन से जोड़ने की व्यावहारिकता तथा इनके वित्तीय फलितार्थों के निर्धारण के लिए सर्वेक्षण किये गये हैं।

(ख) सवाई माधोपुर के रास्ते सहित वैकल्पिक मार्गों के रास्ते जयपुर को बड़े आमान की रेल लाइन से जोड़ने के लिये सर्वेक्षण पूरा हो चुका हैं। अभी तक कार्य शुरू करने का निर्णय नहीं लिया गया है।

(ग) जी नहीं। मीटर लाइन के वातानुकूलित सवारी डिब्बों का सीमित उपलब्धता के कारण हैं।